रजिस्ट्री सं० डी०-(डी०)-73 REGISTERED NO. D(D)—73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 26, 1977 (अग्रहायण 5, 1899)
No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 26, 1977 (AGRAHAYANA 5, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 4
PART III—SECTION 4

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies

---

भारतीय रिजर्व बैंक
केन्द्रीय कार्यालय,
केन्द्रीय ऋण अनुभाग,
बम्बई-1

भारत को पुन. अन्तरित की गई रकम से कटौती कर, लन्दन मे ब्याज की अदायगी के लिए मुखांकित किए गए और स्टेट बैंक आफ़ इंडिया, लन्दन कार्यालय को भारत सरकार रुपया ऋणो की बहियो म 30 सितम्बर, 1977 को बकाया रहने वाले सरकारी वचन-पत्रों का विवरण

विवरण	3 प्रतिशत परिवर्तन ऋण 1946	3 प्रतिशत ऋण 1896–97	जोड़
31 मार्च 1977 को बकाया	रु० 4,47,200	2,300	4,49,500
जोड़िए सितम्बर 1977 की छमाही की समाप्त अवधि के दौरान लन्दन में मुखांकित राशि	—	—	—
घटाइए लन्दन के रजिस्टरो में बट्टे खाते डाली गयी राशि	—	—	—
30 सितम्बर 1977 को बकाया	रु० 4,47200	2,300	4,49,500

के० सी० बनर्जी
मुख्य लेखाकार,

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० एस० बी० डी०/क्र० 12/1977—भारतीय स्टेट बैंक (समनुषगी बैंक) अधिनियम 1959 (1959 का 38वा) की धारा 26, उप धारा (2) के अनुसार श्री ए० नरसिग राव प्रोप्रायटर, मैसर्स गोपाल इण्डस्ट्रीज, 1-1-474/2, गाधीनगर, बाकाराम, हैदराबाद, जो अधिनियम (तत्रैव) की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (द) के अनुसार स्टेट बैंक आफ हैदराबाद के बोर्ड पर निदेशक नामित किए गए थे, उनकी नियुक्ति अवधि 28 नवम्बर 1977 को समाप्त होती है ।

2. इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधिनियम (तत्रैव) की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (द) के अनुसार तथा भारतीय रिजर्व बैंक से विचार-विमर्श करने के बाद भारतीय स्टेट बैंक ने श्री नरसिग राव को स्टेट बैंक आफ हैदराबाद के बोर्ड के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि के लिए—29 नवम्बर 1977 से 28 नवम्बर 1980 (दोनो दिन सम्मिलित) तक फिर से नामित किया है ।

पी० सी० डी० नम्बियार, अध्यक्ष

भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली-1, दिनाक 26 अक्तूबर 1977

स० 5 सी०ए० (1)/18/77-78—इस सस्थान की अधिसूचना सं० 4 सी० ए० (1)/27/76-77 दिनाक 5-3-77 (2) 4 सी० ए०/(1)/30/76-77 दिनाक 21-3-77 (3) 4 सी० ए० (1)/19/71-72 दिनाक 3-1-72 के सन्दर्भ मे चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतत्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमो के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारो को प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टरप्राप्त लेखाकार सस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यो का नाम पुन: स्थापित कर दिया है :—

क्रम सं०	स०स०	नाम एव पता	तिथि
1	2	3	4
1.	4585	जी० टी० वी० कस्तूरी, रंगन एस० ए०, 4/10, टविकल स्टार कोआपरेटिव हाऊसिग सोसाईटी, चैम्बूर बम्बई-400074	29-9-77
2.	6493	श्री सुरेन्द्राकुमार चन्दुलाल शाह एफ० सी० ए० 52, गुलमोहर, जुहु लेन, अन्धेरी (वैस्ट) बम्बई-400058	29-9-77
3.	7013	श्री प्रदीप नवीन चन्द्रा खन्डवाला, ए० सी० ए०, प्रोफैसर, इन्डियन इन्स्टीट्यूट आफ़ मैनेजमैन्ट, वस्त्रापुर, अहमदाबाद	24-9-77
4	7739	श्री गिरीश रतिलाल वोरा, एफ० सी० ए०, 3, आनन्द कुज, 65 यू० लिकिंग रोड, नार्थ एवेन्यू, सान्ताक्रुज (वैस्ट) बम्बई-400054	23-9-77
5	11752	श्री एस० पार्थसारथी, ए० सी० ए०, सैक्रेटरी-कम-एकाऊटैन्ट, जयाभारत क्रेडिट एण्ड इन्वैस्टमैन्ट क० लि०, फ्रैन्च बैंक बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, होमजी स्ट्रीट, फोर्ट बम्बई-400001	4-10-77

दिनांक 29 अक्तूबर 1977

स० 8 सी० ए० (1)/24/77-78—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10 (1) खड (तीन) के अनुसरण मे एतत्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र उनके नाम के आगे दी गई तिथियो से रद्द कर दिए गए है क्योकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण-पत्रो को रखने के इच्छुक नही :—

क्र०सं०	स०सं०	नाम एव पता	तिथि
1	2	3	4
1	9276	श्री इडुलजी धाजीशाह, सोडा वाटरवाला, ए० सी० ए०, लेडी लताजी टाटा बिल्डिंग, फ्लैट न० 15, टाटा ब्लाक, एम० वी० रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050	15-10-77
2.	30606	श्री लोकेश वैन्कपा पुधरन, ए०सी०ए० केअर आफ प्राईम वाटर हाऊस एण्ड कं०, 109, बजाज भवन, नारिमान प्वाइट, बम्बई-400021 ।	1-10-77

(1)	(2)	(3)	(4)
3	17178	श्री अतुल कान्तीलाल महता, ए० सी० ए०, केअर आफ डा० एस० पारिख, एम० डी०, 69 फेअर एवेन्यू बेरोना, एन० जे० -07044, यू० एस० ए०	1-11-77
4	30525	श्री भोखाराव माधवाराव रूपानवार ए० सी० ए० केअर आफ एल० बी० हाके पेट एण्ड तालुका कारजाट, जिला कुलाबा	25-8-77

शुद्धि पत्र

स० 8सी० सी० ए० (1)/22/77-78—अधिसूचना 8 सी० सी० ए० (1)/22/77-78 दिनांक 17 अक्तूबर, 1977 के क्रमांक 2 पर लिखे हुए नाम श्री सुशील कुमार गोयल, एफ० सी० ए० (स स०) 11795, तानजानिया, लिवस्टाक डैवलपमैन्ट अथोरिटी पो० बा० न० 4248, दार-इ- सलाम तानजानिया को निकाल दिया जाए ।

दिनांक 11 नवम्बर 1977

(चार्टर्ड एकाउन्टैन्टस)

स० 1-सी० ए० (84)/75—चार्टर्ड एकाउन्टैन्टस एक्ट, 1949, (1949 का 38वां) की धारा (1) के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कौंसिल आफ दी इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स आफ इंडिया ने चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स रेगुलेशनस 1964 में निम्नलिखित संशोधन किए जो पहले ही प्रकाशित और केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किए जा चुके हैं जैसा कि उपयुक्त धारा की उपधारा (3) के अन्तर्गत अपेक्षित था ।

(संशोधन न० 3, 6, 10 और 11, 1 जनवरी 1978 से लागू होंगे)

उपर्युक्त रैगुलैशन्स में —

1 रैगुलेशन II में —

"(1) उप-रैगुलेशन 8 (I) में वर्तमान शब्द "कौंसिल की राय में प्रत्यर्थी के विरुद्ध प्रथम दृष्टि में मामला है" के लिए शब्द "कौंसिल को प्रथम दृष्टि में राय है कि प्रत्यार्थी व्यावसायिक और अथवा अन्य दुराचार का दोषी है" बदल ले ।

(2) उपरैगुलेशन 8 (II) में वर्तमान शब्द "कौंसिल की राय में प्रत्यार्थी के विरुद्ध प्रथम दृष्टि में मामला नहीं है "के लिए शब्द " कौंसिल की प्रथम दृष्टि में राय है कि प्रत्यार्थी किसी व्यावसायिक अथवा अन्य दुराचार का दोषी नहीं है" बदल ले ।

2 वर्तमान रैगुलैशन 15 के लिए, निम्नांकित बदल ले .—

"15 कौंसिल के समक्ष सुनवाई में प्रक्रिया"

"(1) यदि कौंसिल को अपनी जांच-परिवार के फलस्वरूप यह राय है कि सैक्शन 21 के उप रैगुलेशन (4) के अधीन आदेश देने का मामला है तो वह (ए) प्रत्यर्थी को अनुशासनात्मक समिति को रिपोर्ट और जांच परिणाम की कापी देगा और (बी) निर्दिष्ट तिथि को उस के समक्ष प्रस्तुत होने के लिए एक नोटिस देगा अथवा वह व्यक्तिगत सुनवाई नहीं चाहता तो निर्दिष्ट तिथि के अन्दर सैक्शन 21 (4) के अधीन उसके दिए जाने वाले के सम्बन्ध में जो प्रतिवेदन देना चाहे भेज देगी ।

(2) सुनवाई अथवा लिखित रूप में प्रतिवेदन देने का क्षेत्र जैसी भी स्थिति हो, सैक्शन 21 (4) के अधीन दिए जाने वाले आदेश तक ही समिति होगा ।

(3) कौंसल प्रत्यर्थी की सुनवाई के बाद यदि वह व्यक्तिगत रूप से आता है, अथवा उसके द्वारा दिए गए प्रतिवेदन पर यदि कोई है विचार करने के बाद जो उचित समझे आदेश दे देगी ।

(4) कौंसिल द्वारा दिए गए आदेश शिकायत कर्ता और प्रत्यर्थी को भेज दिए जायेंगे ।

(3) रैगुलेशन 25 के उप-रैगुलेशन (4) (I) में शब्द "सभी अथवा किसी भी प्रश्न पत्रों के लिए दस रुपये" के लिए शब्द प्रति प्रश्न पत्र 'दस रुपए अधिकतम तीस रुपये बदल ले' ।

4 वर्तमान रैगुलैशन 37 के लिए निम्नांकित बदल लें —

"37 आर्टिकलस को रद्द करना

(1) किसी आर्टिकलड क्लर्क के विरुद्ध जब कोई शिकायत अथवा दुराचार की कोई सूचना अथवा रैगुलेशन 36 को भंग करने अथवा आर्टिकलस में दिए गए किसी प्रसविदाओं के भंग करने की कोई सूचना मिली है तो परीक्षा समिति इस की छान-बीन करायेगी और कौंसिल को अपनी सिफारिशों के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी ।

(2) परीक्षा समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद कौंसिल आर्टिकलस के रजिस्ट्रेशन को रद्द कर सकती है अथवा ऐसे आर्टिकलस के अन्तर्गत सेवा करने की किसी अवधि को, अनुसूची "बी" अथवा अनुसूची "बी बी" जैसी भी स्थिति हो, में निर्दिष्ट प्रैक्टिकल ट्रेनिंग की अवधि के उद्देश्य हेतु सेवा न मानने का निर्देश दे सकती है ।

(3) कोई भी सदस्य किसी भी आर्टिकलस क्लर्क को जिसके आर्टिकलस का रजिस्ट्रेशन इस रैगुलेशन के अधीन रद्द कर दिया गया है, कौंसिल की अनुमति के बिना, आर्टिकलड अथवा आडिट क्लर्क के रूप में न तो रखेगा और न लेगा ।"

5 वर्तमान रैगुलेशन 39 के लिए, निम्नांकित बदल ले —

"39 नियोक्ता के विरुद्ध शिकायत

(1) आर्टिकलड क्लर्क के रूप में अपनी ट्रेनिंग में संबंधित जब कोई आर्टिकलड क्लर्क अपने नियोक्ता के विरुद्ध शिकायत

करता है तो परीक्षा समिति उसकी छानबीन करायेगी और कौंसिल को अपनी सिफारिशों के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

(2) परीक्षा समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद कौंसिल जो भी आवश्यक समझे कार्यवाही करेगी।

(3) शिकायत की छानबीन होने तक अध्यक्ष या तो आर्टिकल्स को समाप्त अथवा निलम्बित कर देगा और रैगुलेशन 29 में दी गई अन्य बातों में होते हुए सदस्य के द्वारा आर्टिकल्ड क्लर्क को एक अतिरिक्त आर्टिकल्ड क्लर्क के रूप में स्वीकार किये जाने की अनुमति दे देगा।"

6 वर्तमान रैगुलेशन 46 में :—

(1) शब्द विच्छेद 'अथवा समाप्त करना' निकाल दे और इसे पुन. उप-रैगुलेशन (1) का नम्बर दे दे।

(2) पुन : दिए गए नम्बर उप-रैगुलेशन (1) के बाद निम्नांकित उप-रैगुलेशन (2) जोड़ ले :—

"(2) पूर्ण कालिक ट्रेनिंग से पूर्व किसी आर्टिकल्ड क्लर्क की सेवा विच्छेद अथवा समाप्त कर देने की स्थिति में, नियोक्ता आर्टिकल्ड क्लर्क को उपर्युक्त फार्म में एक सर्टिफीकेट दे देगा, । फार्म की प्रतिलिपि सचिव से अनुरोध करने पर प्राप्त की जानी चाहिए। इस प्रकार के फार्म पर इंस्टीट्यूट की मुहर और जारी करने की तिथि होगी और उसके बाद वह केवल 60 दिन के लिए मान्य होगा।

7 वर्तमान रैगुलेशन 56 के लिए निम्नांकित बदल ले .—

"56 आडिट सेवा को रद्द करना

(1) किसी आडिट क्लर्क के विरुद्ध जब कोई शिकायत अथवा दुराचार की सूचना अथवा रैगुलेशन 51 को भंग करने की सूचना मिलती है तो परीक्षा समिति इसकी छानबीन करायेगी और कौंसिल को अपनी सिफारिशों के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

(2) परीक्षा समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद कौंसिल आडिट सेवा के रजिस्ट्रेशन को रद्द कर या उसकी अवधि को बढा सकता है अथवा ऐसी आडिट सेवा के अन्तर्गत सेवा करने की किसी अवधि को अनुसूची "बी" अथवा अनुसूची "बी बी" जैसी भी स्थिति हो, में निर्दिष्ट प्रैक्टीकल ट्रेनिंग की अवधि के उद्देश्य हेतु, सेवा न मानने का निर्देश दे सकती है।

(3) कोई भी सदस्य किसी भी आडिट क्लर्क को जिसकी आडिट सेवा इस रैगुलेशन के अधीन रद्द कर दी गई है, कौंसिल की अनुमति के बिना आडिट अथवा आर्टिकल्ड क्लर्क के रूप में तो रखेगा और न लेगा।"

8 वर्तमान रैगुलेशन के 57 के लिए, निम्नांकित बदल लें .—

"57 नियोक्ता के विरुद्ध शिकायत

(1) आडिट क्लर्क के रूप में अपनी ट्रेनिंग से सबंधित जब कोई आडिट क्लर्क पेन नियोक्ता के विरुद्ध शिकायत करता है तो परीक्षा समिति उसकी छानबीन कराएगी और कौंसिल को अपनी सिफारिशों के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

(2) परीक्षा समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद कौंसिल जो भी आवश्यक समझे कार्यवाही करेगी।

(3) शिकायत की छानबीन होने तक अध्यक्ष या तो आडिट सेवा को समाप्त अथवा निलम्बित कर देगा और रैगुलेशन 48 और 48ए में दी गई अन्य बातों के होते हुए सदस्य के द्वारा आडिट क्लर्क के रूप में स्वीकार किए जाने की अनुमति दे देगा।

9. रैगुलेशन 158 के बाद निम्नांकित नया रैगुलेशन जोड ले :—

"158 ए० फार्म सप्लाई करना

जब इन रैगुलेशन्स के अधीन सचिव से कोई फार्म प्राप्त करना अपेक्षित होता है, तो वह सचिव अथवा इस्टीट्यूट के किसी अधिकारी को जो इस उद्देश्य के लिए, उसके द्वारा नियुक्त किया गया हो, अनुरोध करने पर सप्लाई किया जायेगा और इसके लिए कौंसिल द्वारा समय समय पर निश्चित शुल्क, यदि कोई हो तो अदा करना होगा"।

10. फार्म 20 में :—

(1) ऊपर कोष्ठक में रगुलशन के सन्दर्भ को बदल ले ताकि वह निम्न प्रकार पढ़ा जाये .—

"[देखें रेगुलेशन 46 (1) और अनुसूची "बी" के पैराग्राफ 11 और 12 तथा अनुसूची बी बी के 10 और 11]"।

(2) प्रीमियम से सम्बन्धित उसका पैराग्राफ 3 और 4 निकाल दें।

11. वर्तमान फार्म 20 के बाद निम्नांकित तथा फार्म 20ए बढ़ा ले, अर्थात —

"फार्म 20 ए०"

[देखें अनुसूची "बी" के पैराग्राफ 11 और 12 तथा अनुसूची "बी बी" के पैराग्राफ 10 और 11 के साथ पठित रैगुलेशन 46 (2)]।

दि इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स आफ इंडिया

"आर्टिकल्स के विच्छेद अथवा समाप्त होने पर सेवा का सर्टिफिकेट"

मैं————————————————————————का एतद्-द्वारा प्रमाणित करता हूं कि श्री———————————— ने चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स रैगुलेशन के अनुसार मेरे अधीन आर्टिकिल्ड कलर्क के रूप मे ——————वर्ष ———— माह और ——————दिन की अवधि हेतु दिनाक ————————————से ———————— तक कार्य किया है, उसकी प्रगति सतोषजनक थी और मेरी पूरी जानकारी के अनुसार उसका नैतिक चाल-चलन अच्छा है ।

आर्टिकल्स आपकी सहमति से दिनाक ———————— से समाप्त किए जाते है ।

मैं यह भी प्रमाणित करता हू कि उपर्युक्त अवधि के दौरान आर्टिकिल्ड कलर्क को ——————————दिन की छुट्टी दी गई थी ।

आर्टिकल्स कौसिल आफ दि इस्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स आफ इडिया के पास विधिवत रजिस्ट्रेशन पर रजिस्टर्ड किए गए थे ।

स्थान　　　　हस्ताक्षर

दिनाक　　　　नाम स्पष्ट शब्दो मे

म　　　　श्री

के साथ दिनाक मे　　　　आर्टिकल्स के अधीन अपनी ट्रेनिग की समाप्ति के लिए अपनी पूर्ण इच्छा से सहमत हू और इस सर्टिफिकेट मे दी गई बातो की सहमति प्रकट करता हूं ।

स्थान :

आर्टिकिल्ड क्लर्क के हस्ताक्षर

तिथि ·

(रजिस्ट्रेशन न०)

नोट. (1) इस सर्टिफिकेट के जारी करने की तिथि इस्टीट्यूट के कार्यालय से जिस तिथि को फार्म जारी किया गया था, उससे पूर्व नही हो सकती ।

(2) यह फार्म इंस्टीट्यूट के कार्यालय से जारी करने की तिथि से केवल साठ दिन की अवधि के लिए ही मान्य है ।"

स० 1 सी० ए० (100)/77—चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स एक्ट, 1949 (1949 का 38 वा की धारा (1) के अधीन प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए कौसिल आफ दि इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स आफ इडिया चार्टर्ड एकाउन्टैन्टस रैगुलेशनस 1964 मे निम्नलिखित सशोधन किए जो पहले ही प्रकाशित और केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किए जा चुके हैं जैसा कि उपर्युक्त धारा की उपधारा (3) के अन्तर्गत अपेक्षित था ।

उपर्युक्त रैगुलेशन मे :—

1 रैगुलेशन 29 के वर्तमान उप-रैगुलेशन (9) के लिए निम्नाकित बदल ले :—

"(9) प्रेक्टिस कर रहा कोई सदस्य जो किसी भी उप-रैगुलेशन्स (2), (5), (6), (7) और (8) के अधीन एक अथवा अधिक आर्टीकल कलर्कों को प्रशिक्षण देने का अधिकारी है, वह उस व्यक्ति को अतिरिक्त आर्टीकल्ड कल्र्क के रूप मे प्रशिक्षण दे सकता है ।

जिसने निम्न परीक्षा उत्तीर्ण की हो :—

(1) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की उपाधि परीक्षा, अथवा

(2) इन रैगुलेशन्स के अधीन प्रवेश परीक्षा ,

और जिसमे कुल मिलाकर न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हों :—

बशर्ते धारा (2) कालम उस अभ्यर्थी को नही मिलेगा जिसे अनुसूची "बी बी" के पैराग्राफ (1) के अधीन किसी भी प्रश्न पत्र अथवा प्रश्नपत्रो को देने मे छूट मिली हो ।

स्पष्टीकरण

अको की प्रतिशत गणना करने के उद्देश्य हेतु—(ए) धारा (1) के अधीन विश्वविद्यालय अथवा सम्बन्धित परीक्षा—सख्या के रैगुलेशन्स के अधीन अपेक्षित विद्यार्थी को उन विषयो मे केवल उत्तीर्ण—अंक प्राप्त हुए हो और जिनका उच्च अको के लिए विशिष्ट लाभ नही दिया गया है, उन्हें छोड दिया जायेगा; और

(बी) धारा (1) और (2) के अधीन आधे के किसी भाग अथवा अधिक को आगामी पूर्णांक मान लिया जायेगा ।"

2 अनुसूची "बी बी" पैराग्राफ 1 मे :—

(ए) प्रथम अनुबन्ध के आरम्भिक भाग मे शब्द "वाणिज्य स्नातक" के बाद और शब्द "छूट दे दी जायेगी" से पूर्व निम्नाकित जोड़ ले :—

"लिखित रूप में आवेदन पत्र देने पर "

(बी) इसी प्रकार द्वितीय अनुबध की अतिम पक्ति से एक पक्ति पूर्व "छूट दे दी जायगी" शब्दो के बाद और सम्बन्धित विषयों मे बैठने से "शब्दों से" पूर्व निम्नाकित जोड ले :—

"लिखित रूप मे आवेदन पत्र देने पर "

पी० एस० गोपालाकृष्णन्, सचिव

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग

(कार्मिक निदेशालय)

तेल भवन देहरादून, दिनांक 26 नवम्बर 1977

स० 13/30/75 आर० सी-1 एस० सी० आर० —तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग अधिनियम, 1959 (1959 के 43) की धारा 32 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग भारत सरकार के पूर्वानुमोदन से एतद्द्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (भर्ती एवं पदोन्नति) विनियम, 1974 में संशोधन करने के अतिरिक्त निम्नलिखित विनियम बनाता है, अभिधानत:—

1. ये विनियम तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (भर्ती एवं पदोन्नति) संशोधन विनियम, 1977 कहे जायेंगे।

2 ये विनियम भारत के राजपत्र में इनके प्रकाशित होने के दिनांक से लागू होंगे ।

2. तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (भर्ती एवं पदोन्नति) विनियम, 1974 में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे —

1 प्राविधिक सहायक पदक्रम-2 (कर्मशाला) का वर्तमान पदनाम प्राविधिक सहायक पदक्रम-2 (उपकरण प्रयोग) में बदल दिया जायेगा।

2. पृष्ठ 49 के क्रमांक 19 पर रु० 650—1200/- के वेतनमान में प्राविधिक सहायक पदक्रम-1 (उपकरण प्रयोग) के पद से सम्बन्धित प्रवर्तमान भर्ती/पदोन्नति विनियम अनुसूची में उल्लिखित संशोधन विनियमों द्वारा प्रतिस्थापित कर दिये जायेंगे।

के० के० धर,
सचिव आयोग

1	2	3	4	5	6	7
	प्राविधिक सहायक पदक्रम-1 (उपकरण प्रयोग)	रु० 650-30-740-35-810-ई० रो०-35-880-40-1000-ई०-रो०-40-1200/-	25%	75%	अ-प्रवरण पद	भौतिकी में, अथवा विशेष विषय के रूप में विद्युदणिकी लेकर भौतिकी में अथवा रेडियो भौतिकी में एवं विद्युदणिकी में एम० एस-सी० अथवा एम० टेक् की विद्योपाधि (डिगरी), अथवा दूरसंचार/विद्युदणिक अभियान्त्रिकी में तुल्य विद्योपाधि (डिगरी) अथवा भौतिकी तथा गणित विषय लेकर बी० एस०-सी० तथा किसी सरकारी संगठन अथवा किसी गैर-सरकारी फर्म अथवा किसी विख्यात संस्था में विद्युदणिक उपकरणों तथा साज-सामान के अनुरक्षण एवं जीर्ण-संस्कार के तीन वर्ष के अनुभव सहित विद्युदणिकी एवं वितन्तु अभियांत्रिकी में पत्रोपाधि (डिप्लोमा) [डी० ई० आर० ई०] जहां तक कि तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग में कार्यरत ऐसे वर्तमान अधिकारियों का सम्बन्ध है जो कि इण्टरमीडिएट परीक्षा के उपरान्त त्रिवर्षीय पाठ्यचर्या वाली बी० एस-सी० (आनर्स) डिगरी प्राप्त किये हुए हैं, वे आयोग में सीधी भर्ती में उच्चतर पदों पर नियुक्ति के लिए अनर्ह नहीं माने जायेंगे तथा उनको इस सम्बन्ध में नियमतः छूट प्रदान की जायेगी।

8	9	10	11
	30 वर्ष से कम		(अ) (1) बी० एस-सी०, विद्युदण्विकी एवं वितन्तु अभियान्त्रिकी में पत्रोपाधि (डिप्लोमा) [डी० ई० आर० ई०] तथा प्राविधिक सहायक पदक्रम-2 (उपकरण प्रयोग) के रूप में दो वर्ष का अनुभव।
			(2) भौतिकी विषय लेकर बी० एस-सी० तथा प्राविधिक सहायक पदक्रम-2 (उपकरण प्रयोग) के रूप में 3 वर्ष का अनुभव।
			(3) सम्बद्ध वृत्तियों (शिल्पों) यथा यान्त्रिक, वैद्युत, दूरसंचार अथवा उपकरण-प्रयोग में (मैट्रीकुलेशन के पश्चात् त्रिवर्षीय पाठ्यचर्या वाली) पत्रोपाधि (डिप्लोमा) तथा प्राविधिक सहायक पदक्रम-2 (उपकरण प्रयोग) के रूप में 4 वर्ष का अनुभव।
			(4) विज्ञान विषय से इण्टरमीडिएट अथवा विज्ञान विषय से मैट्रीकुलेशन के साथ ट्रेड सर्टिफिकेट तथा प्राविधिक सहायक पदक्रम-2 (उपकरण-प्रयोग) के रूप में 5 वर्ष का अनुभव।
			(5) विज्ञान विषय से मैट्रीकुलेशन तथा प्राविधिक सहायक पदक्रम-2 (उपकरण-प्रयोग) के रूप में 6 वर्ष का अनुभव।
			(ब) वरिष्ठता एवं समुपयुक्तता।

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
CENTRAL DEBT SECTION
BOMBAY-1

Statement of Government Promissory Notes enfaced for payment of interest in London under deduction of amount re-transferred to India, and outstanding in the books of the Indian Government Rupee Loans Office, State Bank of India, London on the 30th September, 1977

Particulars	3% Conversion Loan 1946	3% Loan 1896-97	Total
Balance as on 31st March 1977 . . .	Rs 4,47,200	2,300	4,49,500
Add			
Amount enfaced at London during the half year ended 30th September 1977	—	—	—
Deduct			
Amount written off in the London Registers	Rs —	—	—
Balance as on 30th September 1977	Rs. 4,47,200	2,300	4,49,500

K. C BANERJEE
Chief Accountant

STATE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

Bombay, the 3rd November 1977

SBD No 12/1977—In pursuance of sub-section (2) of Section 26 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the term of appointment of Shri A. Narsing Rao, Proprietor, M/s Gopal Industries, 1-1-474/2, Gandhinagar, Bakaram, Hyderabad, nominated as a Director on the Board of the State Bank of Hyderabad under clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the Act (ibid) expires on the 28th November 1977.

2 It is hereby notified for general information that, in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the Act (ibid), the State Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India, has re-nominated Shri Narsing Rao as a Director on the Board of the State Bank of Hyderabad for a further term of three years from the 29th November 1977 to the 28th November 1980 (inclusive).

P. C D NAMBIAR
Chairman

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi, the 29th October, 1977

No. 8CA(1)/24/77-78—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled for the period mentioned against their names, as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

S No.	Membership No.	Name and Address	Period from which Certificate shall stand cancelled.
1	2	3	4
1.	9276	Shri Edul Dhanjishaw Sodawaterwala, A.C.A., Lady Navajbai Tata Bldg. Flat No. 15, Tata Block, S.V. Road, Bandra, Bombay-400050	15-10-1977
2	30606	Shri Lokesh Venkappa Putharan, A.C.A., C/o Price Waterhouse & Co., 109, Bajaj Bhawan, Nariman Point, Bomay-400021.	1-10-1977
3.	17178	Shri Atul Kantilal Mehta, A.C.A., C/o Dr. S. Parikh, M.D., 69, Fair View Avenue, Verona, N.J. 07044, U.S.A.	1-11-1977
4.	30525	Shri Bhimarao Madhavarao Rupanawar, A.C.A., C/o L.B. Hake, At and Taluka-Karjat, Distt.—Kulaba.	25-8-1977

CORRIGENDUM

No. 8 CCA (1)/22/77-78—In notifiction No. 8CCA (1)/22/77-78 dated 17th October 1977 delete name of Shri Sushil Kumar Goel, F.C.A Tanzania Livestock Development Authority, Post Box 4248, Dar-es-Salaam Tanzania, (M. No 11795) appearing at S No 2.

The 2nd November 1977

No. 5-CA(1)/18/77-78—With reference to this Institute's Notification Nos (1)4-CA(1)27/76-77 dated 5-3-77 2(4)-CA(1)/30/76-77 dated 21-3-77 (3)4-CA(1)/19/71-72 dated 3-1-72 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of powers conferred by Regulations 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

S. No	Membership No.	Name and Address	Date of Restoration
1	4585	Shri T.V. Kasturirangan, A.C.A., 4/10, Twinkle Star Co-op. Hsg. Society, Chembur, Bombay-400074.	29-9-1977
2.	6493	Shri Surendra Kumar Chandulal Shah, F.C.A., 52, Gulmohur, Jhuhu Lane, Andheri(West), Bombay-400058.	29-9-1977
3.	7013	Shri Pradip Navinchandra Khandwalla, A.C.A., Professor, Indian Institute of Management, Vastrapur, Ahmedabad.	24-9-1977
4.	7739	Shri Girish Ratilal Vora, F.C.A., 3, Anand Kunj, 65-U, Linking Road, North Avenue, Santa Cruz (W), Bombay-400054.	23-9-1977
5.	11752	Shri S. Parthasarthy, A.C.A., Secretary-cum-Accountant, Jayabharat Credit & Investment Co. Ltd., French Bank Bldg., IInd Floor, Homji Street, Fort, Bombay-400001.	4-10-1977

The 9th November 1977

(Chartered Accountants)

No. 1-CA(84)/75:—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949, (XXXVIII of 1949), the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has made the following amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, the same having been previously published and approved by the Central Government as required under sub-section (3) of the said section. *The amendment at S Nos III, VI, X, XI shall take effect from 1st January* 1978.

In the said Regulations:—

I. In Regulation 11:—

(1) In sub-regulation 8(i), for the existing words "the Council is of opinion that there is a prima facie case against the respondent", substitute the words "the Council is prima facie of opinion that the respondent is guilty of professional and/or other misconduct".

(2) In sub-regulation 8 (ii), for the existing words "the Council is of opinion that there is no prima facie case against the respondent", substitute the words "the Council is prima facie of opinion that the respondent is not guilty of any professional or other misconduct".

II. For the existing Regulation 15, substitute the following:—

"15. *Procedure in a hearing before the Council*

(1) If the Council, in view of its findings, is of opinion that there is a case for passing an order under sub-section (4) of Section 21, it shall—

(a) furnish to the respondent a copy of the report of the Disciplinary Committee and a copy of the findings; and

(b) give him a notice calling upon him to appear before it on a specified date or if he does not wish to be heard in person, to send within a specified time, such representation in writing as he may wish to make in connection with the order to be passed against him under Section 21 (4)

(2) The scope of the hearing or of the representation in in writing, as the case may be, shall be restricted to the order to be passed under Section 21(4)

(3) The Council shall, after hearing the respondent if he appears in person, or after considering the representation, if any, made by him, pass such orders as it may think fit

(4) The orders passed by the Council shall be communicated to the complainant and the respondent"

III. In clause (i) of sub-regulation (4) of regulation 25, for the words "ten rupees for all or any of the paper" substitute the words "ten rupees per paper subject to a maximum of thirty rupees".

IV For the existing Regulation 37, substitute the following:—

"37 *Cancellation of articles*

(1) Where a complaint or information of any misconduct or breach of regulation 36 or breach of any of the covenants contained in the articles is received against an articled clerk, the Examination Committee may cause an investigation to be made and submit a report to the Council with its recommendations

(2) The Council may, on a consideration of the report of the Examination Committee, cancel the registration of the articles or direct that any period already served under such articles shall not be reckoned as service for the purposes of the period of practical training specified in Schedule 'B' or Schedule 'BB' as the case may be.

(3) The articled clerk, the registration of whose articles has been cancelled under this regulation, shall not, except with the permission of the Council, be retained or taken as an articled or audit clerk by any member."

V. For the existing regulation 39, substitute the following:—

"39 *Complaint against the employer*

(1) Where an articled clerk makes a complaint against his employed on a matter concerning his training as an articled clerk, the Examination Committee may cause an investigation to be made and submit a report to the Council with its recommendations

(2) The Council may, on a consideration of the report of the Examination Committee, take such action as it may consider expedient.

(3) The President may, pending an investigation of the complaint, either terminate or suspend the articles and allow the articled clerk to be accepted as an additional articled clerk by a member, notwithstanding anything contained in regulation 29"

VI. In the existing regulation 46 :—

(1) delete the words "discontinuance or termination" and re-number it as sub-regulation (1);

(2) insert the following sub-regulation (2) after sub-regulation (1) so renumbered:—

"(2) In the event of discontinuance or termination of the service of an articled clerk before the expiry of the full period of training, the employer shall issue to the articled clerk a certificate in the appropriate form a printed copy of which should be obtained on request from the Secretary Such form shall bear the stamp of the Institute and the date of its issue and shall be valid only for 60 days thereafter"

VII For the existing regulation 56, substitute the following:—

"56 *Cancellation of audit service*

(1) Where a complaint or information of misconduct or breach of regulation 51 is received against an audit clerk, the Examination Committee may cause an investigation to be made and submit a report to the Council with its recommendations

(2) The Council may, on a consideration of the report of the Examination Committee, cancel the registration of the audit service or extend and period of audit service or direct that any period already served as an audit clerk shall not be reckoned as such service for the purpose of the period of practical training specified in Schedule 'B' or Schedule 'BB', as the case may be

(3) The audit clerk whose audit service has been cancelled under this regulation, shall not, except with the permission of the Council, be retained or taken as an audit or articled clerk by any member"

VIII. For the existing regulaiton 57, subsitute the following:—

"57. *Complaint against the employer*

(1) Where an audit clerk makes a complaint against his employer on a matter concerning his training as an audit clerk, the Examination Committee may cause an investigation to be made and submit a report to the Council with its recommendations

(2) The Council may, on a consideration of the report of the Examination Committee, take such action as it may consider expedient.

(3) The President may, pending an investigation of the complaint, either terminate or suspend the audit service and allow the audit clerk to be accepted as

an additional audit clerk by a member, notwithstanding anything contained in regulations 48 and 48A."

IX. After regulation 158, insert the following new regulation.—

"158A *Supply of forms*

Where under these Regulations, any form is required to be obtained from the Secretary, the same shall be supplied on request by the Secretary or any other officer of the Institute that he may appoint for the purpose, upon payment of such fee, if any, as may be fixed by the Council from time to time."

X In Form 20.—

(1) change the reference to the regulations in brackets at the top to read as under "(See Regulation 46(1) and paragraphs 11 & 12 of Schedule 'B' and 10 & 11 of Schedule 'BB')";

(2) delete paragraph 3&4 thereof dealing with premium

XI After the existing Form 20, insert the following new Form 20A, namely:—

"Form "20A"

(See Regulation 46(2) read with paragraphs 11 & 12 of Schedule 'B' and 10 & 11 of Schedule 'BB')

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

'Certificate of Service on discontinuance or termination of articles'

I———— of ———— do hereby certify that Shri————served as an articled clerk under me in accordance with the Chartered Accountants Regulations for a period of————years———— months and————days from————to————, that his progress was satisfactory and that to the best of my knowledge he bears a good moral character.

The articles are terminated by mutual consent with effect from————

I further certify that during the above mentioned period the articled clerk was given leave for———— days

The articles were duly registered with the Council of the Institute of Chartered Accountants of India vide Reg No————

Place:
Date:

(Signature)
Name in block letters

I————have agreed for termination of my training under articles with Shri———— with effect from————at my own free will and endorse the contents of this certificate

Place:
Date.

Signature of articled clerk
(Reg No———— —)

Notes (1) The date of issue of this certificate cannot be prior to the date on which this form is issued by the office of the Institute.

(2) This form is valid only for a period of sixty days from the date of issue by the office of the Institute."

No I-CA(100)/77.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949, (XXXVIII of 1949), the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has made the following amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, the same having been previously published and approved by the Central Government as required under sub-section (3) of the said section.

In the said Regulations:—

I For the existing sub-regulation (9) or Regulation 29, substitute the following.—

"(9) A member in practice entitled to train one or more articled clerks under any of the sub-regulations (2), (5), (6), (7), and (8) shall be entitled to train a person who has passed—

(i) either the degree examination of recognised university; or

(ii) the Entrance Examination under these Regulations,—

Securing not less than 60% marks in the aggregate, as an additional articled clerk:

Provided that the benefit of clause (ii) will not be available to the candidate who has been granted exemption from appearing in any paper or papers under paragraph 1 of Schedule 'BB'.

EXPLANATION:

For the purpose of calculating the percentage of marks—

(a) under clause (i), the marks secured in subjects in which a student is required by the regulations of the university or the examining body concerned to obtain only pass marks and for which no special credit is given for higher marks, shall be ignored; and

(b) under clauses (i) and (ii), any fractions of half or more shall be rounded up to the next whole number."

II In paragraph 1 of Schedule 'BB'.—

(a) in the opening part of the first proviso, after the words "commerce graduate" and before the words "shall be exempted from" the following be added — "on an application made in writing."

(b) similarly, in the last but one line in the second proviso, after the words "shall be exempted" and before the words "from appearing in the relevant subject", the following be added:
"on an application made in writing"

P. S. GOPALAKRISHNAN
Secretary

EMPLOYEES STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 8th November 1977

No. 12-(1)/27/71-Med-II.—In continuation to E.S.I. Corporation Notification of even number dated the 21st June, 1976 and in pursuance of the Resolution passed at its meeting held on 25th April, 1951 conferring upon me the powers of the Corporation under Regulation 105 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950. I hereby authorise Dr. P Seshagiri Rao, 2/63 Maruthinagar, Majgiri, Hyderabad to function as Medical authority for one year more with effect from 16 6 1977 (F N) or till such time full-time Medical Referee is appointed at Hyderabad whichever is earlier for Hyderabad City for the purposes of Medical Examination of the Insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

T N. LAKSHMI NARAYANAN
Dir General

PUNJAB WAKF BOARD

Ambala Cantt, the 9th November 1977

No Pub/ASC/Wakf/37/21/7-1890.—In the terms and Conditions pertaining to the Muslim Wakf Committee, Simla published in the Gazette of India Part III—Section 4 on page 1710, week-ending September 11, 1976 (Bhadra 20,

1898), the following further amendments thereto are notified for general information:—

In the preface substitute "Terms and Conditions for the word "rules".

In para 1(1) substitute "Terms and Conditions" in place of the word "rules"

In para 9 In the last sentence substitute "Terms and Conditions in place of "rules and regulations".

Sd/- ILLEGIBLE
Acting Secy.
Punjab Wakf Board
Ambala Cantt

OIL AND NATURAL GAS COMMISSION

(DIRECTORATE OF PERSONNEL)

DEHRADUN, the 26th November 1977

No. 13/30/75-RC.I/C S.R —In exercise of the powers conferred by Section 32 of the Oil Natural Gas Commission Act, 1959 (43 of 1959), the Oil & Natural Gas Commission hereby makes with previous approval of the Central Government, the following Regulations further to amend the Oil & Natural Gas Commission (Recruitment & Promotion) Regulations, 1974 namely:—

1 These regulations may be called the Oil & Natural Gas Commission (Recruitment & Promotion) Amendment Regulations, 1977;

2. They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette

2 In the Oil & Natural Gas Commission (Recruitment & Promotion) Regulations 1974, the following amendment shall be made:—

(*i*) The existing designation of Technical Assistant Grade-II (Workshop) shall be changed to Technical Assistant Grade-II (Instrumentation);

(*ii*) The existing Recruitment/Promotion Regulations for the post of Technical Assistant Grade-I (Instt.) in the pay scale of Rs. 650—1200/- at Sl.No 19 on page 49 shall be substituted by the revised regulations as specified in the schedule.

K. K. DHAR,
Secretary to the Commission

1	2	3	4	5	6	7
	Technical Assistant Grade-I (Instt.)	Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40—1200/-	25%	75%	Non Selection post.	M Sc. or M. Tech Degree in Physics or Applied Physics with Electronics as a special subject or in Radio physics and Electronics or equivalent degree in Telecommunication/Electronics Engineering. OR B Sc with Physics and Mathematics as the subjects and Diploma in Electronics & Radio Engineering (DERE) with three years experience in maintenance and repairs of Electronics Instruments and Equipments in a Govt. Organisation or Private firm or Institution of repute. So far as existing ONGC officers with B.Sc. (Hons.) degree (3 years course after Intermediate) are concerned, they may not be disqualified in direct recruitment and as a rule may be granted exemption for appointment to higher posts in the Commission

8	9	10	11
	Below 30 Years	—	(A) (*i*) B Sc. D.E R.E. 2 years as T A Gd. II (Instt.) (*ii*) B.Sc. with Physics as one of the subjects with 3 years experience as T A. Gd II (Instt.) (*iii*) Diploma Holders (3 years course after matriculation) related trades such as Mechanical, Electrical, Telecommunication on or Instrumentation—4 years (*iv*) Inter Science or Matriculate with Science & Trade Certificate—5 Years. (*v*) Matriculate in Science— 6 years (B) Seniority-*cum*-fitness

KHADI AND VILLAGE INDUSTRIES
Statement of Accounts for the year

RECEIPTS

Sr. No.	Particulars	Opening balance Rs.	Receipts Rs.	Refund Rs.	Closing Balance Rs.	Rs.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
ANNEXURE 'A'	I. **Loans Received from Government**					
	Khadi	58,61,16,729	4,65,98,704*	3,05,20,000£	60,21,95,433	
	Village Industries	32,01,27,048	4,33,00,000@	3,40,00,000+	32,94,27,048	
	TOTAL	90,62,43,777	8,98.88,704	6,45,20,000	93,16,22,481	93,16,22,481
ANNEXURE 'A'	II. **Advances Received from Government**					
	Khadi	68,54,584	**Transferred to Item No. III below**			
	Village Industries	1,43,929				
	TOTAL	69,98,513				
ANNEXURE 'A'	III. **Receipts from Government for Trading Operation**					
	Khadi	7,34,85,062	—	60,78,704A	6,74,06,358	
	Village Industries	1,42,43,929	7,00,000B	—	1,49,43,929	
	TOTAL	8,77,28,991	7,00,000	60,78,704	8,23,50,287	8,23,50,287
ANNEXURE 'A'	IV. **Grants & Connected Receipts**	**Khadi**	**Village Industries**		**Total**	
	Opening balance including advance to State Boards & Institutions	3,63,05,301	1,21,80,618		4,84,85,919	
	Grants Received from Govt.	6,40,16,080C	2,50,00,000		8,90,16,080	
ANNEXURE 'B'	**Refunds Received from Institutions**					
	(Unutilised Grants etc.)	5,98,609	4,73,887		10,72,496	
	TOTAL	10,09,19,990	3,76,54,505		13,85,74,495	13,85,74,495
ANNEXURE 'C'	V. **Miscellaneous Receipts**	2,07,400	12,45,583		14,52,985	14,52,985
ANNEXURE 'R'	Va. **Recoverable Advances**	59,015	5,18,453		5,77,468	5,77,468
ANNEXURE 'D'	VI. **Deposits**					
	Opening Balance	—	1,14,072		1,14,072	
	Receipts	—	7,315		7,315	
	Less : Refunds	—	1,750		1,750	
	NET BALANCE	—	1,19,637		1,19,637	1,19,637
ANNEXURE 'E'	VII. **Suspense**					
	Opening Balance	23,55,804	7,95,420		31,51,224	
	Receipts	38,364	7,548		45,912	
	TOTAL	23,94,168	8,02,968		31,97,136	31,97,136
ANNEXURE 'F'	VIII. **Trading Results**					
	Khadi	(—)30,80,942	7,78,588	23,55,631	(—)46,57,985	
	Village Industries	(—) 75,587	3,14,256	1,75,118	(+) 63,551	
	TOTAL	(—)31,56,529	10,92,844	25,30,749	(—)45,94,434	(—)45,94,434
ANNEXURE 'Q'	IX. **Contributory Provident Fund**	2,44,02,042	61,21,263	32,39,085	2,72,84,220	2,72,84,220
	GRAND TOTAL					1,18,05,84,275

COMMISSION, BOMBAY.
1973-74 showing the position as on 31-3-1974.

PAYMENTS

Sr. No.	Particulars	Opening balance Rs.	Paid during the year Rs.	Refund during the year Rs.	Closing balance Rs.	Rs.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
ANNEXURE 'G' I.	**Loans Paid to the Institutions**					
	Khadi	58,14,59,140	2,58,80,102	98,06,933	59,75,32,309	
	Village Industries	30,67,74,476	2,41,79,547	1,58,89,700	31,50,64,323	
	TOTAL	88,82,33,616	5,00,59,649	2,56,96,633	91,25,96,632	
	Imprest Advances to State Boards & Institutions					
	Khadi	40,68,123	11,38,724	5,51,690	46,55,157	
	Village Industries	1,32,82,672	2,25,61,915	2,15,71,398	1,42,73,189	
	TOTAL	1,73,50,795	2,37,00,639	2,21,23,088	1,89,28,346	
	GRAND TOTAL	90,55,84,411	7,37,60,288	4,78,19,721	93,15,24,978	93,15,24,978
	II. Advances					
	Khadi Cotton Purchase	25,27.104	**Transferred to item No. III below**			
	Village Industries	—				
ANNEXURE 'K'	**III. Investment in Trading Operations**					
	Khadi	7,02,38,676	1,13,43,154	1,92,69,555	6,23,12,275	
	Village Industries	1,41.26,089	29,94,245	21,73,912	1,49,46,422	
	TOTAL	8,43,64,765	1,43,37,399	2,14,43,467	7,72,58,697	7,72,58,697
ANNEXURE 'M'	**IV Grants & Miscellaneous Payments**	**Khadi**	**Village Industries**		**Total**	
	Disbursements to Institution during the year	5,55,38,494	97,16,278		6,52,54,772	
	Imprest Advances with State Boards & Institutions	64,96,823	67,50,927		1,32,47,750	
	Weaving Subsidy Advances with Institutions	1,94,01,551	—		1,94,01,551	
ANNEXURE 'N'	**Administrative & Miscellaneous Expenses**	1,46,67,888	1,50,85,028		2,97,52,916	
ANNEXURE 'R'	**Recoverable Advances Interest charged on Government Loans to Commission**	1,03,919	8,51,000		9,54,919	
	(*a*) Interest Payable to Government 3,36,59,391	1,74,56,763				
	(*b*) *Less* Subsidy received from Government 3,35,86,910	1,71,50,520				
	Balance paid	72,481	3,06,243		3,78,724	
	TOTAL	9,62,81,156	3,27,09,476		12,89,90,632	12,89,90,632
ANNEXURE 'P'	**V. Suspense**	77,752	70,510		1,48,262	1,48,262
	VI. Bank					
	Khadi Fund				26,69,727	
	Village Industries Fund				58,78,454	
	TOTAL				85,48,181	85,48,181
	VII. Imprest Cash					
	Khadi Fund				49,96,003	
	Village Industries Fund				18,33,302	
	TOTAL				68,29,305	68,29,305
ANNEXURE 'Q'	**VIII. Contributory Provident Fund**					
	Investments in National Saving/ Defence Certificate				2,46,85,500	
	Bank				25,98,720	
	TOTAL				2,72,84,220	2,72,84,220
	GRAND TOTAL					1,18,05,84,275

Statement showing the position about utilisation certificates to be received from State Boards, Institutions etc. in respect of funds disbursed during 1971-72.

Amount for which utilisation certificates were required to be furnished	Utilisation certificates received		Refund of unspent Balances by State Boards	Balance
	Advised to Govt. Audit	Under Process		
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	(Amount in Lakhs)			
1,529 60	758.46	243 46	——	527 45

Note,—* Includes Rs 60,78,704 transferred from Khadi Trading Account and Rs. 3,05,20,000 on account of renewal of loans.

£ Represents renewal of loans.

@ Includes Rs. 3,40,00,000 on account of renewal of loans and excludes Rs 7,00,000 transferred to Village Industries Trading Accounts.

+ Represents renewal of loan.

A Represents transfer to Khadi Loans Account.

B Represents transfer from Village Industries Loan Account.

C Includes Rs. 16,080 towards adult education for women spinners received from Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education).

Place : Bombay
Date : 30-10-1974

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the foregoing accounts (including Consolidated Balance Sheet of Trading Funds) for the year 1973-74 I have obtained all the information and explanations that I have required and subject to the observations made in the separate Audit Report, I certify, as a result of my audit, that, in my opinion, these accounts are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the State of affairs of the Khadi and Village Industries Commission, according to the best of my information and explanation given to me and as shown by the books of the Commission.

New Delhi :

Dated :

Sd/- 10-5-1976
(G. N. PATHAK)
Accountant General

Certified that the loans shown as outstanding on 31-3-1974 are realiable except the following amounts which are due from some institutions which are under liquidation or against which legal action has been taken for the recovery of loans which may not be recovered in full list enclosed).

1. Khadi . . . . . Rs. 3,07,33,126
2 Village Industries . . Rs. 1,08,89,515

Sd/-	Sd/-	Sd/-
Chief Accounts officer	Chief Executive Officer	Chairman
Khadi & Village Industries Commission.	**Khadi & Village Industries Commission**	**Khadi & Village Industries Commission.**

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977